वीर कुँवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा

स्नातक खण्ड – III

प्रधान हिन्दी

(सामान्य छात्रों के लिए)

हिन्दी साहित्य का इतिहास एवं

हिन्दी भाषा तथा लिपि का सामान्य अध्ययन

समय : 3 घंटा **पूर्णांक :100**

अंक विभाजन

(क) हिन्दी साहित्य के इतिहास में आलोचनात्मक प्रश्न तीन प्रश्न	:	20 X 3 = 60 अंक
(ख) हिन्दी भाषा और भोजपुरी भाषा से परिचयात्मक प्रश्न–दो प्रश्न	:	10 X 2 = 20 अंक
(ग) देवनागरी लिपि पर दो प्रश्न	:	10 x 2 = 20 अंक
		कुल– 100 अंक

निर्धारित पाठ्य पुस्तकें :

(क) हिन्दी साहित्य के इतिहास की रूप रेखा – विभिन्न कालों का नामकरण प्रवृत्ति और उपलब्धि, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद और नई कविता का सामान्य अध्ययन एवं भारतेन्दु–युग, द्विवेदी–युग का सामान्य अध्ययन।

(ख) भाषा और बोली तथा देवनागरी लिपि –

हिन्दी भाषा – स्वरूप एवं विशेषताएँ।

भोजपुरी – भाषा का परिचय, देवनागरी लिपि की विशेषताएँ।

आधार ग्रंथ :

1. हिन्दी भाषा का इतिहास – डॉ0 धीरेन्द्र वर्मा।
2. आधुनिक साहित्यिक निबंध – डॉ0 त्रिभुवन सिंह।
3. आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना – डा0 वासुदेव नंदन प्रसाद भारती भवन, पटना।
4. हिन्दी भाषा और देवनागरी लिपि – डा0 भोलानाथ तिवारी।

हिन्दी प्रतिष्ठा

पंचम पत्र

इतिहास एवं काव्य

(हिन्दी साहित्य का इतिहास–छायावाद से लेकर अद्यतन साहित्य तक)

समय : 3 घंटा **पूर्णांक :100**

अंक विभाजन :

1. इतिहास	:	20 X 2 = 40 अंक
2. काव्य	:	15 X 2 = 30 अंक
3. व्याख्या	:	10 X 2 = 20 अंक
4. वस्तुनिष्ठ	:	10 X 1 = 10 अंक
		कुल = 100 अंक

आधार ग्रंथ :

(क) हिन्दी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचनद्र शुक्ल।

सहायक ग्रन्थ :

1. हिन्दी साहित्य का उद्‌भव और विकास – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी।
2. हिन्दी साहित्य का अतीत भाग– 1, 2– आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी वितान प्रकाशन, वाराणसी।
3. हिन्दी साहित्य का इतिहास– सम्पादक, डॉ0 नगेन्द्र।
4. वृहद साहित्यिक निबन्ध– सं0 डॉ0 त्रिभुवन सिंह।
5. आधुनिक साहित्यिक निबंध – सं0 डॉ0 त्रिभुवन सिंह।

(ख) काव्य :

निर्धारित ग्रन्थ : छायावादोकर काव्य– संग्रह– सं0 डॉ0 रामनारायण शुक्ल एवं श्री निवास पाण्डेय, संजय बुक सेन्टर, वाराणसी।

पाठ्यांश :

अज्ञेय – कलगी बाजरे की, नदी के द्वीप, यह द्वीप अकेला।
नागार्जुन – बादल को घिरते देखा है, प्रेत का बयान, अकाल और उसके बाद।
केदारनाथ अग्रवाल – चन्द्रगहना, मैंने उसको जब जब देखा, माझी न बजाओ वंशी।
धर्मवीर भारती – कविता की मौत, समुद्र स्वप्न।
मुक्तिबोध – चकमक की चिंगारियॉ, एक भूतपूर्व विद्रोही।
सर्वेश्वर दयाल सक्सेना – सौन्दर्यबोध, पिछड़ा आदमी।
श्रीकान्त वर्मा – हस्तिनापुर का रिवाज, धर्मयुग, तीसरा रास्ता।

अभिस्तावित ग्रंथ :

छायावाद – डॉ0 नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

आधुनिक साहित्य की प्रवृतियॉ – डॉ0 नामवर सिंह

आधुनिक हिन्दी कविता मुख्य प्रवितयॉ – डॉ0 नगेन्द्र।

आधुनिक साहित्य – डॉ0 नन्द दुलारे वाजपेयी।

हिन्दी साहित्य का इतिहास – सम्पादक– डॉ0 नगेन्द्र।

हिन्दी साहित्य–संवेदना का विकास – डॉ0 राम स्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती इलाहाबाद।

हिन्दी प्रतिष्ठा
षष्ठ पत्र
साहित्यशास्त्र एवं साहित्यलोचन

समय : 03 घंटे पूर्णांक : 100

अंक विभाजन :

(क) भारतीय साहित्य शास्त्र (काव्यशास्त्र)	:	15 x 3 = 45 अंक
(ख) साहित्यलोचन के सिद्वांत	:	15 x 2 = 30 अंक
(ग) लघुत्तरी प्रश्न	:	15 x 1 = 15 अंक
(4) वस्तुनिष्ठ प्रश्न– साहित्यलोचन से	:	10 x 1 = 10 अंक
		कुल = 100 अंक

पाठ्य विषय :

1. भारतीय साहित्यशास्त्र :

(क) काव्य का स्वरूप, काव्य प्रयोजन, काव्य हेतु काव्य के प्रकार, शब्द शक्ति, काव्य–गुण, काव्य–दोष, रस के स्वरूप एवं प्रकार, रस निष्पति एवं साधारणीकरण।

(ख) 1. छन्द स्वरूप एवं महत्व।

2. छन्दों के लक्षण–उदाहरण–दोहा, चौपाई, रोला, उल्लाला, मत्तगयंद, गीतिका, हरिगीतिका, मालिनि, शिखारिणी, मन्दाक्रान्ता, लावनी, इन्द्रवज्रा, उपेन्द्र वज्रा, छप्पय, कवित्त, सवैया, कुण्डलियॉ।

(ग) 1. अलंकार– स्वरूप एवं महत्व।

2. अलंकारों के लक्षण व उदाहरण–यमक, श्लेष, वक्रोक्ति, उपमा, रूपक अनुप्रास उत्प्रेक्षा, अतिशयोक्ति, संदेह, विभावना, भ्रांतिमान, अपहनुति, विशेषोक्ति, असंगति, विरोधाभास, प्रतीप, तुल्यांगिता।

2. साहित्यालोचना के सिद्वांत :

काव्य एवं गद्य साहित्य के प्रमुख रूपों एवं विधाओं का परिचयात्मक अध्ययन यथा–महाकाव्य खण्डकाव्य, गीतिकाव्य, चम्पुकाव्य, नाटक, एकांकी, गीतिनाट्य, रेडियो रूपक, काव्य रूपक, दूरदर्शन रूपक, कहानी, परिभाषा–तत्त्व एवं प्रकार,उपन्यास–तत्व–परिभाषा एवं भेद, निबंध–स्वरूप एवं प्रकार, समालोचना एवं उसके मान्य रूप। गद्य साहित्य की अन्य विधाऍ–जीवनी, संस्मरण, रेखाचित्र फिल्मी कथा–पट एवं अभिनय, संवाद–लेखन।

अध्ययन हेतु निर्दिष्ट आधार–ग्रन्थ :

1. साहित्यालोचन – डॉ0 श्याम सुन्दर दास
2. भारती काव्यशास्त्र की भूमिका – डॉ0 जितराम पाठक
3. काव्यदर्पण – पं0 रामदहिन मिश्र
4. अलंका मुक्तावली – प्रो0 देवेन्द्र नाथ शर्मा
5. भारतीय काव्यशास्त्र – डॉ0 भगीरथ मिश्र
6. काव्यशास्त्र : आद्यचरण – डॉ0 बद्रीनाथ तिवारी

हिन्दी प्रतिष्ठा
सप्तम पत्र
भाषा विज्ञान एवं संस्कृत

समय : 03 घंटे **पूर्णांक : 100**

अंक विभाजन :

(क) भाषा विज्ञान से आलोचनात्मक प्रश्न	:	15 x 3 = 45 अंक
(ख) लघुत्तरी प्रश्न	:	05 x 3 = 15 अंक
(ग) संस्कृत से आलोचनात्मक प्रश्न	:	10 X 2 = 20 अंक
(घ) संस्कृत के निर्धारित पाठों से हिन्दी में अनुवाद	:	05 X 2 = 10 अंक
(ड.) संस्कृत के शब्द रूपों तथा धातु रूपों का लेखन	:	05 x 2 = 10 अंक
		कुल = 100 अंक

निर्धारित पाठ्यांश :

1. **भाषा विज्ञान :** भाषा का स्वरूप, भाषा के प्रकार, प्राचीन, मध्य और आधुनिक आर्य भाषाएँ, भाषा विज्ञान की परिभाषा, भाषा विज्ञान के प्रकार, भाषा विज्ञान और व्याकरण में सम्बन्ध, भाषा विज्ञान का अध्ययन क्षेत्र, हिन्दी भाषा तथा देवनागरी लिपि प्रयुक्त अन्य भारतीय भाषाएँ। (इन्ही अंशो से लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएँगे।)
2. **संस्कृत :**
   अमरभारती – सम्पादक–आचार्य देवेन्द्रनाथ शर्मा।

   निर्धारित पाठ : (i) पंचतंत्रम – सम्पूर्ण

   (ii) गीत के प्रथम – 20 श्लोक

   (iii) मनुस्मृति के प्रथम – 20 श्लोक

   (iv) नीतिशकतम् के प्रथम – 10 श्लोक

संस्कृत के शब्द–रूप : देव, कवि, फल, माता, पिता, वारि, नदी, लता, भवन, (आप), अस्मद्, युस्मद, अयम (यह) सः (वह स्त्री)।

संस्कृत के धातु रूप : सभी विभक्तियों कालों एवं वचनों में पठ, गम, दृश, वद्, हॅस, ज्ञा, पा, हे (हरना अर्थ में)।

संदर्भ ग्रंथ :

1. **भाषा विज्ञान** – डॉ0 भोलानाथ तिवारी।
2. **भाषा विज्ञान की भूमिका** – प्रो0 देवेन्द्र नाथ शर्मा।
3. **भाषा विज्ञान : सिद्वान्त और स्वरूप :** डॉ0 जितराम पाठक।

संस्कृत–संदर्भ ग्रंथ :

1. संस्कृत साहित्य का इतिहास – डॉ0 बलदेव उपाध्याय।
2. संस्कृत साहित्य का इतिहास – डॉ0 वचनदेव कुमार।
3. संस्कृत व्याकरण –डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी।
4. संस्कृत व्याकरण – प्रदीप।

हिन्दी (प्रतिष्ठा)

अष्टम् पत्र

विशेष अध्ययन

निम्नलिखित खण्ड़ों में से किसी एक का अध्ययन अनिवार्य होगा।

समय : 03 घंटे **पूर्णांक : 100**

अंक विभाजन :

(क) आलोचनात्मक प्रश्न	: 15x3=45 अंक
(ख) व्याख्यात्मक प्रश्न	: 15x1=15 अंक
(ग) लघुतरी प्रश्न–इतिहास के भक्तिकाल से	: 15x1=15 अंक
(घ) पठित काव्य के लिए दिये गये दो पद्यांशों का भावार्थ	: 5x2=10 अंक
	कुल 100 अंक

निर्धारित ग्रथ :

1. **सुर पंचरत्न** – पं0 लालाभगवान दीन।
   पाठ्यांश – बाललीला के पद एवं भ्रमर गीत।
2. **कवितावली** – तुलसीदास।
   पाठ्यांश – बाल काण्ड के प्रथम–10 छंद और अयोध्याकाण्ड के प्रथम 20 छंद।

संदर्भ ग्रथ :

सूरदास – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल।
महाकवि सूरदास – आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी।
सूर साहित्य की भूमिका – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी।
सूर की काव्य चेतना – सं0 : डॉ0 रत्नाकर पाण्डेय।
तुलसीदास – डॉ0 माता प्रसाद गुप्ता।
गोसाई तुलसीदास – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल।

खण्ड–ख : रीति काव्य–विशेष अध्ययन

समय : **03** घंटे पूर्णांक : **100**

अंक विभाजन :

(क) आलोचनात्मक प्रश्न : **15x3=45** अंक

(ख) व्याख्यात्मक प्रश्न : **10x3=30** अंक

(ग) लघुतरी प्रश्न–इतिहास के रीतिकाल से : **05x3=15** अंक

(घ) पठित काव्य के लिए दिये गये दो छंदो का भावार्थ : **05x2=10** अंक

कुल 100 अंक

निर्धारित ग्रंथ :

1. रीति काव्य–संग्रह – सं0 डॉ0 जगदीश गुप्त।

निर्धारित पाठ्यांश– बिहारी प्रारम्भ से 20 दोहे तक धनानन्द के 10 छंद तक।

देव	–	प्रारम्भ से 10 छंद
मतिराम	–	प्रारम्भ से 10 छंद
पद्याकर	–	प्रारम्भ से 10 छंद
सेनापति	–	प्रारम्भ से 5 छंद
ठाकुर	–	प्रारम्भ से 6 छंद
जगन्नाथ दान रत्नाकर	–	उद्ववशतक 9 छंद

2. जगद नोद पद्याकर – सम्पूर्ण।

संदर्भ ग्रंथ :

रीतिकाव्य की भूमिका डॉ0 नगेन्द्र।
रीति साहित्य डॉ0 भागीरथ मिश्र।
पद्याकर पंचामृत – पं0 विश्वनाथ प्रसाद मिश्र।
बिहारी आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र।
हिन्दी साहित्य का अतीत भाग– 2 – आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र।

खण्ड़ – ग : छायावाद – विशेष अध्ययन

समय : **03** घंटे पूर्णांक : **100**

अंक विभाजन :

(क) आलोचनात्मक प्रश्न : 15x3=45 अंक

(ख) व्याख्यात्मक प्रश्न : 10x3=30 अंक

(ग) लघुतरी प्रश्न–छायावाद की रचनाओं पर आधरित : 05x3=15 अंक

(घ) वस्तुनिष्ठ (वस्तुनिष्ठ प्रश्न छायावाद के इतिहास पर आधरित) : 01x10=10 अंक

कुल 100 अंक

निर्धारित ग्रंथ :

छायावाद–काव्यार्णव : डॉ0 बद्रीनाथ तिवारी

निर्धारित काव्यांश :

जयशंकर प्रसाद : कविताएँ–लहर की प्रारम्भिक 10 कविताएँ, प्रलय की छाया, निर्वेद ;कामायनी सेद्ध, हे लाज भरे सौन्दर्य बता दो, और ऑसू–बस गई एक बस्ती है...खेल खेल का मन का।

सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला: कविताएँ–प्रार्थना, नयन, देवी सरस्वती, तुम और मैं, रेखा, कैलाश में शरद्, जागो फिर एक बार–;सम्पूर्णद्ध, स्नेह निर्झर बह गया है, शेफाली, तुलसीदास–प्रारम्भिक–20 छंद।

सुमित्रानन्दन पंत : कविताएँ प्रथम रश्मि, उच्छ्वास की बालिका मौन निमंत्रण, बादल, पर्वत प्रदेश में पावस, चॉदनी, एक तारा, अनित्यजग निष्ठुर परिवर्तन, ताज, कहारों का रूद्र नृत्य।

महादेवी वर्मा : कविताएँ–निशा को या देता राजकेश, घोर तम छाया चारो ओर, जिस दिन नीरव तारों से, मधुरिमा के मधु के अवतार चुभते ही तेरा अरूण वान, प्राणों के अंतिम पाहुन, मधुर–मधुर मेरे दीपक जल, प्रिय सान्ध्य गगन, चिर सजग ऑखें उनीदी कह दे मॉ क्या देखुँ।

हरिवंश राय 'बच्चन' : कविताएँ–प्राण सन्ध्या झुक गई, तुम गा दो मेरा गान, इस पार–उस पार अँधेरी रात में, पथ की पहचान, लहरों का निमंत्रण, स्वप्न में तुम हे, तुम्हीं हो जागरण में मधुशाला को प्रारम्भिक–10 रूबाइयॉ।

माखन लाल चतुर्वेदी : कविताएँ–कैदी और कोकिला, जवानी, गीतों के राजा, उन्मूलिक वृदा, प्राण का श्रृगांर।

बालकृष्ण शर्मा 'नवीन' : कविताएँ–प्रिय! ले डूबा चुका है सूरज, ओ हिरनी की ऑखोंवाली, जग चुकी है वर्तिका, पराजयगीत।

रामधारी सिंह 'दिनकर' : कविताएँ–हिमालय, वन फूलों की ओर, गीत–अगीत, प्रभाती।

राम कुमार वर्मा : कविताएँ–जागरण की ज्योति, तिरस्कार मौन करूणा।

नरेन्द्र शर्मा : कविताएँ–पाषण नहीं था, युग बदला प्यासा निर्झर, मोती मस्जिद से ताज महल।

सहायक ग्रंथ :

छायावाद– डॉ0 नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
हिन्दी साहित्य : बीसवीं शताब्दी – नन्द दुलारे वाजपेयी, मैकमिलन, दिल्ली।
सुमित्रानंदन पंत – नन्ददुलारे वाजपेयी, मैकमिलन, दिल्ली।
जयशंकर 'प्रसाद' – नन्द दुलार वाजपेयी, भारती भंडार, इलाहाबाद।
छायावादी काव्य – एक दृष्टि – डॉ0 चौथी राम यादव, किताब महल, इलाहाबाद।
प्रसाद का काव्य – डॉ0 प्रेम शंकर।

खण्ड़ – घ : छायावाद – विशेष अध्ययन

समय : 03 घंटे **पूर्णांक : 100**

अंक विभाजन :

(क) आलोचनात्मक प्रश्न : 15x3=45 अंक

(ख) व्याख्यात्मक प्रश्न : 10x3=30 अंक

साख्य शिल्प :

(ग) लघुतरी प्रश्न–छायावाद : 05x3=15 अंक

(घ) वस्तुनिष्ठ : 01x10=10 अंक

कुल 100 अंक

निर्धारित ग्रंथ :

1. अम्बपाली – रामवृक्ष बेनीपुरी
2. आषाढ़ का एक दिन – मोहन राकेश
3. एकांकी और एकांकी – सम्पादक– डॉ0 दीनानाथ सिंह, अनुपम, प्रकाशन, पटना।

निर्धारित पाठ :

डॉ0 राम कुमार वर्मा – एक तोले अफीम की कीमत
भुवनेश्वर प्रसाद मिश्र – स्ट्राइक
उदय शंकर भट्ट – पर्दे के पीछे
उपेन्द्रनाथ अश्क – लक्ष्मी का स्वागत
जगदीश चन्द्र माथुर – रीढ़ की हड्डी
बिष्णु प्रभाकर – तीसरा आदमी
मोहन राकेश – अंडे के छिलके
श्री लक्ष्मी नारायण लाल – वरूण वृक्ष का देवता

सहायक ग्रंथ :

हिन्दी नाटक : उद्भव एवं विकास – डॉ0 दशरथ ओझा
हिन्दी नाट्य साहित्य का आलोचनात्मक अध्ययन – डॉ0 वेदपाल खन्ना
प्रसाद के नाटक – डॉ0 सिद्वनाथ ठाकुर
हिन्दी एकांकी – डॉ0 महेन्द्र कुमार
हिन्दी नाटक – डॉ0 बच्चन सिंह राधा कृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।

खण्ड – ङ : कथा–साहित्य
(उपन्यास एवं कहानी)
विशेष अध्ययन

समय : 03 घंटे **पूर्णांक : 100**

अंक विभाजन :

(क) आलोचनात्मक प्रश्न : 15x3=45 अंक
(ख) व्याख्यात्मक प्रश्न : 10x3=30 अंक
(ग) लघुतरी प्रश्न (उपन्यास और कहानी शिल्प पर आधारित) : 05x3=15 अंक
(घ) वस्तुनिष्ठ : 01x10=10 अंक

कुल 100 अंक

निर्धारित ग्रंथ :

उपन्यास :

गुनाहों का देवता – धर्मवीर भारती, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
पुनर्नवा – हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

निर्धारित ग्रंथ :

हिन्दी की श्रेष्ठ कहानियॉ–सम्पादक – डॉ0 बद्रीनाथ तिवारी एवं डॉ0 नीरज सिंह
उसने कहा था – चन्द्रधर शर्मा गुलेरी

बूढ़ी काकी – प्रेमचंद
जनेन्द्र कुमार – पाजेब
सुदर्शन – हार की जीत
अज्ञेय – शरणदाता
फणीश्वरनाथ रेणु – ठेस

सहायक ग्रंथ :

हिन्दी उपन्यास – डॉ0 राम दरश मिश्र, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

हिन्दी उपन्यास और यथार्थवाद – डॉ0 त्रिभुवन सिंह, हिन्दी प्रचारक संस्थान, वाराणसी।

कहानी आन्दोलन की भूमिका – डॉ0 बलराम पाण्डेय, अनीमिका प्रकाशन, इलाहाबाद।

कहानी : नई कहानी – डॉ0 नामवर सिंह लोकभारती, इलाहाबाद।

कवियों की कहानियॉ – एक मूल्यांकन, डॉ0 मृत्युंजय सिंह, अनुराग प्रकाशन –1/1073, डी0 महरौली, नई दिल्ली।

इतिहास (प्रतिष्ठा)

पत्र – V

भारत का इतिहास (1206-1764)

1. भारत में तुर्की शासन– कुतुबुदीन ऐबक और इल्तुतमिश।
2. बलबन द्वारा सल्तनत कालीन शासन का केन्द्रीय रूप।
3. खिलजी वंश–अलाउदीन खिलजी, उसकी उपलब्धियॉ और सुधार।
4. तुगलक वंश–मुहम्मद बिन तुगलक, फिरोजशाह तुगलक, सल्तनत का प्रारम्भिक विश्लेषण।
5. विजयनगर और बहमनी साम्राज्य का उदय तथा इसके राजनीतिक और सांस्कृतिक योगदान।
6. दिल्ली सल्तनत के अधीन सूफीवाद और भक्ति आंदोलन।
7. सल्तनतकालीन, प्रशासन, कला और वास्तुकला।
8. बाबर के द्वारा मुगल साम्राज्य की स्थापना।
9. मुगल–अफगान विवाद, हुमायूँ और शेरशाह।
10. शेरशाह का शासन।
11. राजपूत दक्षिणी अकबर की धार्मिक नीति दीन–ए–इलाही के संदर्भ में मनसबदारी प्रथा का अच्छाइयॉ तथा बुराइयॉ।
12. मुगल राजनीति पर नूरजहॉ का प्रभाव।
13. उत्तराधिकार के लिए शाहजहॉ के समय में युद्व।
14. औरंगजेब–सिक्खों के साथ संबंध, मराठों और दक्षिणी राज्यों के संबंधों एवं नीति, धार्मिक नीति, मुगल साम्राज्य के पतन के लिए उत्तरदायी।
15. मुगल साम्राज्य की विशेषताऍं– कला, साहित्य और शिल्पीशस्त।
16. बंगाल में ईस्ट इंडिया कंपनी के शासन, पलासी और बक्सर का युद्व।

इतिहास (प्रतिष्ठा)

पत्र – VI

भारत का इतिहास (1765-1950)

1. बंगाल में दोहरी शासन तथा बंगाल पर इसका प्रभाव।

2. वारेन हेस्टिंग्स के दौरान कंपनी के नियमों का विस्तार।

3. वेलेस्ली की सहायक संधि, भारतीय राज्यों पर इसके प्रभाव।

4. विलियम बेंटिक के सुधार।

5. ईस्ट इंडिया कम्पनी की भू–राजस्व नीति, स्थायी बंदोबस्त, रैयतवाड़ी और महलबोड़ी व्यवस्था।

6. कंपनी की आर्थिक नीति तथा भारतीय अर्थव्यवस्था पर प्रभाव।

7. 19वीं तथा 20वीं शताब्दी में अंग्रेजी शिक्षा का विकास।

8. भारत में सामाजिक तथा धार्मिक जागरण, राजाराम मोहन राय, स्वामी विवेकानंद तथा सर सैयद अहमद खान के विशेष संदर्भ में।

9. 1857 की क्रांती के स्वरूप, कारण तथा प्रभाव। बाबू वीर कुँवर सिंह की भूमिका तथा क्रांति के असफलता के कारण।

10. भारतीय राष्ट्रवाद के उदय में सहायक कारक।

11. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना। नरम दल की भूमिका।

12. भारत में उग्रवादी, राष्ट्रीय आंदोलन का विकास और द्वितीय विश्व युद्व तक विदेशों में विस्तार।

13. स्वदेशी तथा बहिस्कार आंदोलन–इनका प्रभाव।

14. भारतीय राजनीति में मुसलिम लीग का उदय तथा पाकिस्तान की मॉग।

15. महात्मा गॉधी के नेतृत्व में सविनय अवज्ञा आंदोलन, असहयोग आंदोलन तथा भारत छोड़ों आंदोलन।

16. 1919 तथा 1935 के भारत सरकार एंकर की विशेषताएँ।

17. भारत का विभाजन, केबिनेट मिशन, माउन्टबेटन योजना।

18. स्वतंत्र भारत के संविधान की विशेषताएँ।

इतिहास (प्रतिष्ठा)

पत्र – VII

मध्य–पूर्व और दुरस्त पूर्व का इतिहास (19वीं से 20वीं शताब्दी)

1. तुर्की में अब्दुल हमिद द्वितीय की भूमिका तथा युवा तुर्क आंदोलन।
2. मुस्तफा कमाल पाशा के सुधार तथा विदेश नीति।
3. सीरीया में फ्रांसिसी अधिदेश तथा इराक में ब्रिटिश अधिदेश के कारण तथा महत्व।
4. राजाशाह पहलवी के सुधार।
5. फिलिस्तीन की समस्याएँ और उसके प्रभाव।
6. मध्य पूर्व में तेल नीति और इसका प्रभाव।
7. चीन में यूरोपीयन का आगमन और इसके परिणाम।
8. चीन में टेपींग और बक्सर विद्रोही–इसके कारण और परिणाम।
9. 1911 के योगी क्रांति के कारण, प्रकृति और परिणाम।
10. चीन के इतिहास में सनयात सेन और चैंग काई शाक की भूमिका।

11.चीन में साम्यवादी सरकार के गठन और इसकी उपलब्धियॉ।
12.विदेश शक्ति के रूप में जापान का उदय।
13.मेइजी सुधार और इसके परिणाम।
14.जापान का आधुनिकीकरण।
15.1902 का ऐंगला–जापानी संधि।
16.द्वितीय विश्वयुद्व तक जापानी साम्राज्वाद का उदय।

इतिहास (प्रतिष्ठा)

पत्र – VIII

(यू0 एस0 ए0 और रूस का इतिहास)

खण्ड़– (क) यू0 एस0 ए0

1. अमेरिकी स्वतंत्रा संग्राम के कारण, प्रकृति तथा महत्व।
2. यू0 एस0 ए0 के संविधान की संरचना तथा इसकी खूबियॉ।
3. जॉर्ज वाशिंगटन, जेफरसन और जैक्सन के कार्य का वर्जन।
4. अमेरिकी गृह युद्व के कारण तथा महत्व।
5. प्रथम विश्व युद्व में अमेरिका की भूमिका।
6. रूजवेल्ट की न्यू डील नीति।

खण्ड़– (क) रूस

1. जार अलेक्जेंडर–II की उपलब्धियॉ।
2. 1904–05 के अमेरिकी–रूसी युद्व के कारण और परिणाम।
3. प्रथम विश्व युद्व में रूस की भूमिका।
4. 1917 के रूसी क्रांति की प्रकृति, कारण तथा प्रभाव।
5. लेनिन की नई आर्थिक नीति।
6. द्वितीय युद्व में रूस की भूमिका।
7. शीत युद्व की शुरूआत–कारण और प्रकृति।

राजनीतिशास्त्र (प्रतिष्ठा)

पंचम–पत्र

लोकप्रशासन

समय : 03 घंटे **पूर्णांक : 100**

1. अर्थ, प्रकृति, क्षेत्र एवं विकास।
2. लोक प्रशासन, अध्ययन के विभिन्न स्रोत।
3. सार्वजनिक एवं निजि प्रशासन।
4. विकासशील देशों में लोक प्रशासन की भूमिका।
5. लोक प्रशासन का अन्य सामाजिक विज्ञानों के साथ संबंध।
6. संगठन–परिभाषा, अर्थ एवं सिद्वांत।

7. विभागीय संगठन का आधार।
8. लोक नियम।
9. स्वतंत्र नियामक आयोग।
10. स्टाफ सूत्र (Staff line) और सहायक अभिकरण (Auxiliary Agencies)
11. निजी प्रशासन – (i) भर्ती (ii) प्रशिक्षण (iii) पदोन्नति एवं (iv) नैतिकता (Moral)
12. वितीय प्रशासन–बजट एवं औडिट ;अंकेक्षणद्ध
13. प्रशासन पर नियंत्रण – (i) वैधानिक, (ii) प्रशासकीय, (iii) न्यायिक।
14. क्षेत्र (Field) – मुख्यालय, फील्ड।
15. जनसम्पर्क एवं संचार।
16. भारत में लोक प्रशासन की समस्याऍं–भ्रष्टाचार। (Generalist Vrs. Specialist Controversy in Administation)

सहायक पुस्तकें :

1. लोक प्रशासन	वीरकेश्वर प्रसाद सिंह
2. लोक प्रशासन के सिद्वांत	अवस्थी एवं माहेस्वरी

राजनीतिशास्त्र (प्रतिष्ठा)

षष्ठ–पत्र

लोकप्रशासन

समय : 03 घंटे **पूर्णांक : 100**

1. प्लूटों – न्याय, शिक्षा, साम्यवाद, दार्शनिक, आदर्श राज्य एवं फासिज्म।
2. अरस्तू–राज्य की प्रकृति एवं उद्देश्य, वात्सल्य नागरिकता, प्लूटो का खंडन, विकासवाद, राज्य परिवर्तन, वर्गीकरण का सिद्वांत।
3. कौटिल्य–सप्तांग, राजतंत्र, मंडल, वैदेशिक नीति।
4. थामस हॉब्स–सामाजिक संविदा–संप्रभुता, महत्व।
5. जॉन लॉक– सामाजिक संविदा महत्व, राज्य संबंधी विचार।
6. जे0 के0 रूसो–सामाजिक संविदा, सार्वजनिक इच्छा, महत्व।
7. जे0 एस0 मील–यूटीनिटरिज्म का सिद्वांत, स्वतंत्रा, महत्व।

सहायक पुस्तकें :–

1. प्रमुख राजनीतिक विचार–पुखराज जैन
2. प्लूटों, अरस्तू, कौटिल्य, थॉमस, हॉब्ज, जॉन लॉक – भारती भवन, पटना।

राजनीतिशास्त्र (प्रतिष्ठा)
सप्तम–पत्र
राजनीतिक समाजशास्त्र

समय : 03 घंटे **पूर्णांक : 100**

1. राजनीतिक समाजशास्त्र – उत्पति, विकास, अर्थ, प्रकृति एवं क्षेत्र।
2. राजनीतिक समाजशास्त्र – अध्ययन के विभिन्न स्रोत।
3. राजनैतिक अभिजन ;म्सपजमद्ध के तत्व।
4. राजनीतिक संस्कृति।
5. राजनीतिक विकास एवं आधुनिकीकरण।
6. राजनीतिक समाजीकरण।
7. राजनीतिक संचालन।
8. राजनीतिक भागीदारी।
9. राजनीतिक भर्ती।
10. राजनीतिक संवाद।
11. भारत में राजनीति।
12. भारत में चुनावी व्यवहार।
13. राजनीतिक पार्टी, लोक राय एवं दबाव–समूह।

पुस्तकें :

1. राजनीतिक समाजशास्त्र – डॉ0 गॉधीजी राय
2. राजनीतिक समाजशास्त्र – डॉ0 वीरकेश्वर प्रसाद सिंह

राजनीतिशास्त्र (प्रतिष्ठा)
अष्टम–पत्र
राष्ट्रीय आन्दोलन एवं भारत में संवैधानिक विकास

समय : 03 घंटे **पूर्णांक : 100**

1. भारत में राष्ट्रीय जागरण– प्रकृति, कारण, सामाजिक–धार्मिक सुधार आन्दोलन।
2. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का जन्म एवं Moderates की आय।
3. डग्रवादी एवं नरमपंथी–कार्यप्रणाली, सिद्वांत एवं आन्दोलन।
4. प्रथम विश्वयुद्व एवं इसका भारतीय राजनीति पर प्रभाव 1909 से 1919।
5. मान्टेग्यू–चेम्सफोर्ड रिपोर्ट और 1919 का भारत सरकार अधिनियम।
6. असहयोग आन्दोलन और महात्मा गॉधी।
7. साइमन कमीशन।
8. सविनय अवज्ञा आन्दोलन।
9. भारतीय सरकार एक्ट – 1935
10. क्रिप्स मिशन, कैबिनेट मिशन, माउन्टबेटन योजना, भारत का विभाजन।
11. भारत की स्वतंत्रता–कारण, भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम 1947।

B.A. PART-III PSYCHOLOGY HONOURS

Part-III examination shall consist of 4 papers carrying 100 Marks.

PAPER – V

(समाज मनोविज्ञान)

Time : 4 Hours **Full Marks : 100**

One question to be set for each chapter. Five to be answered out of ten.

1. Introuction – Subject matter and scope' Relation of social psychology with sociology and anthropology.
2. Methods – Observation Lab & Field Experiment and Survery, Merits and Limitations.
3. Socialisation- Process, Factor Influencing Socialization, Culture and Personality.
4. Attitudes- Meaning, Attitude and related concepts, belief, opinion and motive, formation of attitude, Change of attitude, Method of attitude measurement, Likert and Thurstone's Scale.
5. Prejudice – Meaning, Prejudice attitude, Steretypes, Origin of Prejudice- Sociological and Psychological correlates of Prejudice Reduction of Prejudice.
6. Gropup- Group Individuals Vs Group, Kinds of Group- Structure and function.
7. Leadership- Nature and emergency of leadership, Types, Trains and functions of leader, Leadership training.
8. Propaganda- Meaning, Propaganda and Education, principles, Techniques and Media of Propaganda.
9. Public Option- Meaning formation, Media and roles of public Opinion in democracy.
10. Social Tension – Kinds, Caste, Communal and regional cases and reduction of social tension in India, national Integration.

Book Recommended:

समाज मनोविज्ञान रविन्द्रनाथ मुखर्जी

PAPER – VI

Group A

Time : 4 Hours **Full Marks : 100**

SYSTEM OF PSYCHOLOGY & EDUCATIONAL PSYCHOLOGY

(मनोविज्ञान का इतिहास एवं शिक्षा मनोविज्ञान)

One question to be set room each chapter. Five to be answered not more than 3 or any group.

1. Structuralism and Functionalism.
2. Behaviourism- Watson and Post-Watson, Gestalt,
3. Psychoanaltic Schools – freud, Jung and Alder.
4. Nero Freudians – Kardiner, Honrey, Karen, Benedict.
5. Humanistic Psychology of Rogers and Marlow.

EDUCATIONAL PSYCHOLOGY

GROUP B

1. Defination- Difference between education and educational Psychology Method-Rating and Ranking, Case study and Interview.
2. Measurement of Intelligence. Aptitude and Achievement.
3. Learning- Programmed Learning Formal and Non-formal education : Role of motivations in Learning Incentives.
4. Examination-Essay Type and Objective Type.
5. Education of Special types of children-Physically handicapped, Dull Backward and Gitered.

Books Recommended :

Group A

1. Manovigyan Ka Itihas - Sharma J.D.
2. Manovigyan Ka Itihas - Sharma Ram Nath
3. Manovigyan Ka Itihas - Jaiswal, Sitaram

Group B

1. Siksha Manovigyan - Mathur
2. Siksha or Manovigyan - Pandey, Jagtanand

PAPER – VII

Time : 4 Hours **Full Marks : 100**

INDUSTRIAL PSYCHOLOGY & CLINICAL PSYCHOLOGY

Ten question to be set out of which five to be answered taking not more than three from any one group.

GROUP A : INDUSTRIAL PSYCHOLOGY (औद्योगिक मनोविज्ञान)

1. Problems- Scope and Foundation of Industrial Psychology.
2. Physical environment at work illumination-Temperature, Humidity and Ventilation, Noise.

3. Fatique and Monotony-Nature difference between fatigue and monotony, Causes of fatigue and monotony. Methods of reducing fatigue monotomy in Industries.
4. Scientific Management- Principles, Contribution of Taylor and Gillberts.
5. Accident – Accident Pronness, Causes and Prevention of assidents.

GROUP B
CLINICAL PSYCHOLOGY (नैदानिक मनोविज्ञान)

1. Nature of Clinical Psychology, A brief historical review distinction between clinical and abnormal Psychology.
2. Clinical Problems – Psychasornatic problems, Psychopathic problems and criminal behavior genesis & remedial measures.
3. Diagnosis – Function of diagnosis, Diagnostic case studies, Diagnostic interview, overview of use of psychological test for clinical purpose.
4. Psychotherapetic techniques – Psychoanalytic technique, behavior therapy group, Non directive theraphy and psychodrama.

Books Recommended :

Group A

1. Audiyogik evam Sangathan Manovigyan - Kochar D.C.
2. Audyogik Manovigyan - Ojha R.K

Group B

1. Clinical Psychology - Verma R.M.
2. Naidanik Manovigyan - Hassan

PAPER – VIII
EXPERIMENTS

Time : 4 Hours **Full Marks : 100**

Two experiments to be conducted out of four set in the examination.
Experiments – 45 + 45 Marks, Note Book – 10 Marks.

1. Aetheiometric Index – by Methods of Limits and constant Stimuelimits.
2. D.L. and verification of Wever's law by the methods of limits and constant stimulus, difference for visual lengths and lifted weights.
3. Reaction time – Smile Sensorial and Muscular Complex, Choice and Discrimination.

4. Erogography – Work and fatigue.
5. Effect of fatique and rest on mental work.
6. Fluctuation of attention.
7. Colour preference – Method of paired Comparison.
8. Phonmography.

Books Recommended :

1. मनोविज्ञान में प्रयोग, परीक्षण एवं सांख्यिकी – आर0 आर0 पी0 सिन्हा एवं मिश्रा
2. मनोविज्ञान में प्रयोग एवं परीक्षण – अरूण कुमार सिंह

ECONOMICS HONOURS

PAPER – V

Time : 3 Hours **Full Marks : 100**

PRINCIPAL OF ECONOMIC : GROWTH & PLANNING

(आर्थिक विकास एवं नियोजन)

1. Meaning of Economic Growth, Distinction between growth and development, measurement of Economic Growth.
2. Factors of Economic growth – Economy growth, Economic and non-Economic.
3. Characteristics of Developing Economy.
4. Role of State in Economic Growth.
5. Capital Formation & Economic Growth.
6. Foreign Capital and Economic Growth.
7. Population and Economics Growth.
8. Knowledge & Technology of Economic Growth.
9. Rostow's Stages of Economic Growth.
10. Planning – Need for Planning, Objective & Planning.
11. Types of Planning – Planning by inducement and planning by directions, Physical and financial Planning, Capitalistic and Socialistic Planning.
12. Planning in India – Strategy and techonology of Indian planning Indian planning Commission. National Development Council.
13. Five year plan in India 9^{th} -10^{th} Resource Mobilization for five year plan in india.

Books Recommended :

1. Arthik Vikas ke siddhant Aur Niyojan - Dr. L.M. Roy
2. Arthik Vikas Aur Niyojan - Dr. S.N.P.S. Suman
3. The Economics of Development and Planning – M.L., Jhingan.

ECONOMICS HONOURS
PAPER – VI

Time : 3 Hours **Full Marks : 100**

History of Economic Development of U.K., U.S.A., US.S.R. and Japan

(महान देशों का आर्थिक विकास)

1. Agriculture since 1850. Commerical Revolution Decline of U.K.'s Economics Power in the 20th Century.
2. U.S.A.- American Economy since 1914. Great depression and New Deal Measures. American Agriculure since 1914. Tariff Policy since, 1914.
3. U.S.S.R. – State Capitalism, War-communism, New Economic Policy before 1485. Seissor's crisis, Industrial Development during post-war period, 10th and 11th Five year Plan of U.S.S.R.
4. Japan-Meisi Restoration, Indistrial Development of Japan after 2nd world war, Agricultural Development of Japan after 2nd World War, Rise of Japan as great Economic Power in the 20th Century. Small Scale Industries in Japan after 2nd World War.

Books Reconmended :

1. Mahan Rastro ka Arthik Vikas – L.M. Roy
2. महान देशों का आर्थिक विकास – श्रीधर पाण्डेय।

सांख्यिकी एवं फिल्ड वर्क
सप्तम–पत्र
मेक्रो (समष्टि) अर्थशास्त्र

समयः 3 घंटे पूर्णांक : 100

इस पत्र के दो भाग प्रत्येक 20 अंकों के हैं। ग्रुप **A** सांख्यिकी का सिद्वांत होगा। यह दो घंटे का होगा, छात्रों को चार प्रश्नों के उतर देने होंगे।

Definition and Scope of Statics, Measures of Central Tendency-Mean, Median and Mode.

Measres of Dispersion-Mean deviation & Standard Deviation, census and sampling.

Methods of Investigation Primary and Secondary data Index Number, Correlation.

GROUP B : MATHEMATICAL ECONOMICS

Set Theory – vectors and matrices, determinants solution of equation, different & simple rules at integrated monopoly.

Books Recommended :

1. सांख्यिकी – एस0 पी0 सिंह।

2. सांख्यिकी एलहास।

अर्थशास्त्र (प्रतिष्ठा)
अष्टम–पत्र

समयः 3 घंटे पूर्णांक : 100

This will be following of be optional papers students will have to answer one of the following papers at Integrated monopoly.

GROUP A

Labour Economics:

Nature and Scope of labour economics, labour market, Characteristics and peculiarities of labour, Migration, Recuirtment and workin conditions of Indian Labour, Demand & Supply of labour wage determination, collective bargaining, Trade Unionism : Nature and function and their role, in economics development with reference to India, Labour welfare measures in India, Social Security measures in India. Industrial disputes-causes and measures to solve industrial disputes in India. Workers purification in management.

Books Recommended :

1. Labour Problems in India Industry – V. V. Giri
2. Labour Problems and social welfare – P.C. Saxena
3. Economics of Labour & Social Welfare – T.N. Bhagoliwal

GROUP B

Agricultural Economics :

Nature and scope of Agricultural Economics, Role of Agriculture in developing economy, Land use pattern, Land References, Type of farming- Collective and co-operate farming, Agriculture finance, role of Institutional finance in agricultural development with special reference to India. Marketing structure, Marketing Agencies, The Problems of Maketable surplus and the problem of price, Market regulation, Farm Productivity- Factors affecting productivity. Techonology and Productivity, Techonology in farm productivity Measures for stablisation of Agricultural productivity**.** Agricultural prices- Annual Seasonal, Regional and cylical variation in prices instability and income instability, Measures of prices and income stablisation, Role of state in agricultural development, New strategy in agricultural development. Agriculturl developmene programmes in India.

Books Recommended :

1. Agricultural Economics - Chauhan
2. Agricultural Problems in India - C.B. Benwana
3. Trends in Agricultural prices - B. N. Verma
4. Economics of Agriculture - Cohen
5. Principles of Agricultural Economics - B. N. Lal

GROUP C
BUSINESS ORGANISATION AND INDUSTRIAL ECONOMICS

1. Principles of Modern Industry, Division of labour, Standardisation Relationaisation, Integration, Horizontal and vertical. Factors Governing the size of business Unit, Concept of optimum, firm Combinations. Factors leasing to Combinations. Trusts, Cartel Syndicates, Holding companies, Multinationals Organisation of Marketing and role of Merchant. Forms of business organization Industrial ownership-Partnarship and Joint Stock Company, Managing Agency system, Location of Industries, Monopoly sources of Growth, Effects and Control of monopoly, Institutional study of Capitalism and socialism- Their features, Evils of capitalism, Allocation of resources and capitalism and socialism. Problems of incentives-workers control and joint control.
2. Industrial Organisation in India-Key industries, Development of important industries during the plan period, Industries in private, Public and joint sectors. The Structure of public enterprises in India, Management of industries. Indiustrial Finance- State Policy to wards industries in India.

Books Recommended :

1. Business Organisation & Management - M. C. Shukla
2. Industrial Organisation - Bencham
3. Business Organisation - Sarkar
   Business Organisation - Mukherjee
4. Business Organisation - M.R. Sharma
5. Audyogik Arthasastr Aur Byavasaya Sangathan - Shreedhar Pandey

GROUP D
MATHEMATICAL ECONOMICS & STATISTICS

Equation, Function, Limit, Differential co-efficient, Determinant, Matrix, etasticiy of demand supply, Price theory and Mathematical Analysis, Business Organisation, Definition and Scope of Statistics, Classification and Tabulation of data, Diagramatic classification of data. Diagramatic classification of data, Measures of

Central Tendency. Mean Median, Mode, Hamonic Mean & Geormetic Mean. Measures of dispersion Range, Mean deviation and standard deviation. Analysis of time Correlation Regression, Series Index Number, Interpolation and Extrapolation

Books Recommended :

1. Mathematical Economics - Allen
2. Macro Economic Theory - Allen
3. Fundamental of Mathematical Economics - Alpha Chi
4. Basic Mathematics - Allen
5. Mathematics for Economics - Game, Taro
6. Elements of Mathematical Statistics - Gupta and Kapoor
7. Basic Statistics - N. Nagar

PHILOSOPHY HONOURS
PAPER – V
PHILOSOPHY OF RELIGION (धर्मदर्शन)

Time : 3 Hours **Full Marks : 100**

Philosophy of Religions :

1. Nature of religion, Religion of religion to Science, Morality and Theology.
2. Religious Consciousness.
3. Foundation of religious belief of Reason, Faith, Revelation, Mystic experience.
4. Primitive Religion Its characteristics and forms and forms of Manaism, Tetimism Amm……etishism and spirtism.
5. God-Proff's for the existence of God, Cosmological, Ontological Techonological and Mortal Attributes and personality of God.
6. Problems of Evil-Natural and Moral evil, Theistic solutions of the problem of evil.
7. Proofs for the immortality of soul.
8. Religious language and the problem of its meaning, fairness.
9. Unity of religious and religious tolerance.
10. Conversion and Secularism.
11. Inter Religious dialogues and conflict resolutions.

Books Recommended :

1. धर्म दर्शन की रूपरेखा .– हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा
2. धर्म दर्शन : प्राच्य और पाश्चात्य – या0 मसीह

PHILOSOPHY HONOURS
PAPER – VI
GROUP A
SOCIAL AND POLITICAL PHILOSOPHY (समाज एवं राजनीति दर्शन)

Time : 3 Hours **Full Marks : 100**

Social Philosophy:

Social Philosophy-Its nature and relation to sociology, civic duties, Individual and socity, Social change, and Tradition and Modernity, Problems of obligation, Social Staratification, Caste and Class, Marriage and divorce, Private Property and Doctine of Trusteeship.

GROUP B

Political Philosophy :

Political Philosophy-Its nature and distinction from Political Science Political concepts-rights and duties, Liberty, Equality, Justice, Power, influence and Authority Political Obligation, Political ideologies-Democracy, Socialism Marxism, monarchy Anarchim, Sarvodaya and Satyagraha, Politics and religion, their mutual relationship.

Books Recommended :

1. समाज एवं राजनीति दर्शन .– अशोक कुमार वर्मा
2. समाज दर्शन – लेन प्रसाद सिंह
3. समाज दर्शन – आर0 पी0 सिंन्हा
4. The Great Issues of Politician - Lipston
5. Socity - Mclver

PHILOSOPHY HONOURS
PAPER – VII
GROUP A
SYMBOLIC LOGIC AND INDIAN EPISTEMOLOGY
(प्रतिकात्मक तर्कशास्त्र)

Time : 3 Hours **Full Marks : 100**

Symbolic Logic :

1. What is Logic?
2. Symbolic Logic?
3. Truth and Validity.
4. Proposition and Prepositional forms.

5. Argument and Argument forms.
6. Truth functional propositions and determination of truth value.
7. Truth tables and the validity of arguments.

GROUP B
INDIAN LOGIC AND EPISTEMOLOGY

Pratyaksha, Anumana, Upamana & Sabda.

Books Recommended :

1. प्रारंभिक तर्कशास्त्र .– केदारनाथ तिवारी
2. प्रतिकात्मक तर्कशास्त्र – आर0 एस0 सिंह
3. प्रतिकात्मक तर्कशास्त्र (प्रथम भाग) – अशोक कुमार वर्मा
4. प्रतिकात्मक तर्कशास्त्र – केदार नाथ तिवारी

PHILOSOPHY HONOURS
PAPER – VIII
GROUP A
MODERN INDIAN PHILOSOPHY
(समकालीन भारतीय दर्शन)

Time : 3 Hours **Full Marks : 100**

I. Mahatma Gandhi:

A. Gold is Truth.
B. Moral Teaching of the six virtues.
C. Satyagraha-Its application.
D. Religion in Gandhi's Philosophy.
E. Gandhi's Concept of Secularism.

II. **Rabindra Nath Tagore** :

A. Tagore's conception of the absolute.
B. God and creation, World and its status. The Proble of evil.
C. Human self-its finite nature, bondage and liberation.
D. The Religion of Man.

III. **Sri Aurobindo** :

A. The Conception of Sachidanand.
B. The World-Process and its triple transformation.
C. The Supermind, its triple status.
D. Nature of ignorance.
E. Divine life and Gnostic Being.

IV. **Swami Vivekanand** :

A. God and the world.

B. Nature and the Destroy of Man.
C. Ideals of Universal Religion.
D. Different kinds of Yoga.
E. Unity of Religions.

Books Recommended :

1. समकालीन भारतीय दर्शन .– बसंत कुमार लाल
2. समकालीन भारतीय दर्शन – रमेश सिन्हा एवं विजय श्री
3. समकालीन भारतीय दर्शन – लक्ष्मी सक्सेना (सं0)
4. महात्मा गॉधी का नैतिक दर्शन – वेद प्रकाश वर्मा

संस्कृत (प्रतिष्ठा)
पंचम पत्र
वेद, उपनिषद, वैदिक साहित्य का इतिहास

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 100

1. युक्सूक्तनिकर– व्याख्याकार : डॉ0 उमा शंकर 'ऋषि' – 40 अंक
   प्रकाशक – चौखम्भ भेटबलिया, वाराणसी।
   ऋगवेद के पाठ्यसूक्त – अग्नि, सविता, मरूत, सूर्य, विष्णु, उषस्
   देवता का परिचय – एक – 12 अंक
   अनुवाद दो – 6 X 2 = 12 अंक
   संस्कृत में व्याख्या–एक– 8 अंक
2. कठोपनिषद् – प्रथम अध्याय तीन वल्लियॉ – 20 अंक
   आलोचनात्मक प्रश्न – 12 अंक
   संस्कृत में व्याख्या–एक– 8 अंक
3. वैदिक व्याकरण – (क) लट् लकार का परिचय – 10 अंक
   (ख) तुमर्थ एवं क्तवार्थ प्रत्ययों का सामान्य परिचय – 5 अंक
   (ग) शब्दरूप एवं धातुरूप – 5 अंक
   देव, शुची, मति, पधु, राजन, युष्मद्, अस्पद।
   धातुरूप– दो–भू, ग्रह, दा, कृ, गम (केवल लट् एवं लृट लकार)
4. वैदिक साहित्य का इतिहास–
   पाठ्यांश : ऋग्वेद का रचना काल, संहिताओं का वर्णन–विषय, ब्राह्मण, आरण्यक, उपनिषदों का सामान्य परिचय – आलोचनात्मक प्रश्न (दो) – 15 X 2 = 30 अंक

सहायक ग्रन्थ :

1. वैदिक साहित्य और संस्कृति – आचार्य बलदेव उपाध्याय
2. वैदिक साहित्य का इतिहास – डॉ0 पारसनाथ द्विवेदी।

संस्कृत (प्रतिष्ठा)
षष्ठ पत्र
वेद, उपनिषद, वैदिक साहित्य का इतिहास

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 100**

व्याकरण एवं भाषा विज्ञान :

1. **व्याकरण – 70 अंक**

   (क) परिभाषिक शब्दावली – 4 X 5 = 20 अंक

   गुण, वृद्वि, प्रगृह्म, प्रकृतिभाव, पूर्णरूप, पररूप, पद, भ, छु, टि, संयोग, उपमा, प्रतिपादिक, सार्वधातक, अर्धधातुक, सर्वनाम स्थान, घि, आत्मनेपद, परस्मैपद, नदी, उपसर्जन, उपपद, निष्ठा, कृत्यधातु, अपूक्त।

   (ख) समास प्रकरण– सिद्वान्त कौमुदी (समासाश्रय विधि को छोड़कर) – 50 अंक

   चार सूत्रों की व्याख्या – 5 X 4 = 20 अंक

   पॉच रूपसिद्वियॉ – 4 X 5 = 20 अंक

   समस्त पद से विग्रह वाक्य – पॉच– 1 X 5 = अंक

   विग्रह से समस्त पद– पॉच– 1 X 5 = 5 अंक

2. **भाषा विज्ञान** : 30 अंक

   भाषा की परिभाषा, भाषा और बोली, भाषा की उत्पति, स्वर और व्यंजन, ध्वनियों का वर्गीकरण। वगिन्द्रियों का परिचय।

   आलोचनात्मक प्रश्न – (2) 15 X 2 = 30 अंक

संस्कृत (प्रतिष्ठा)
सप्तम पत्र
काव्य शास्त्र एवं छंद

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 100**

काव्यशास्त्र : 85 अंक

1. काव्यदीपिका सम्पूर्ण।

   आलोचनात्मक प्रश्न – तीन– 15 X 3 = 45 अंक

   तीन कारिकाओं की व्याख्या – 8 X 3 = 24 अंक

   चार अलंकारों का परिचय– 4 X 4 = 16 अंक

2. छंद : अनुष्टुप, आर्या वंशरथ, इन्द्रवजा, उपेन्द्र वज्रा, उपजाति, वसन्ततिलका, शिखरिणी, मन्द्रकान्ता, दुर्तावलम्बित, मालिनी, भ्रुगजप्रयात, स्म्रग्धरा।

   किन्हीं तीन छन्दों के सोदाहरण लक्षण 5 X 3 = 15 अंक

संस्कृत (प्रतिष्ठा)
अष्टम पत्र
काव्य शास्त्र एवं छंद

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 100**

1. निबन्ध (संस्कृत में) एक – 20 अंक

   प्रस्तावित पुस्तक–

संस्कृत निबंध कौमुदी – डॉ0 श्यामानन्द झा, आचार्य एक अध्यक्ष
ह0 प्र0 दा0 जेन महाविद्यालय, आरा

2. अनुवाद – संस्कृत से हिन्दी – 20 अंक
   हिन्दी से संस्कृत – 20 अंक
3. पदों का वाक्यों में प्रयोग – 4 X 5 = 20 अंक
4. अशुद्व वाक्यों का संशोधन (पॉच) – 4 X 5 = 20 अंक

URDU HONOURS
PAPER- V
HISTORY OF URDU
LITERATURE AND ISLAMIAT

The Examiner is requested to set EIGHT question, in which the candidate has to answer FOUR. Question No. One will be of objective and compulsory covering the entire syllabus.

Time : 3 Hours Full Marks : 100

This paper aims to give information of chronicle evolution of Urdu language and literature; also to make the students aware of the history of Islam of early period. Books Prescribed :

1. Urdu ki lbtedai Nashw-o-Numan Mein Sufiaya-e-karam ka kam : maulvi Abdul
2. Tanvir-e-Adab : Saghir Ahnad Jan
3. Tarikhul Ummah I & II : Aslam Jairajpuri

PAPER- VI
CRITICISM AND LINGISTICS

The Examiners is requested to set EIGHT question, in which the candidate has to answer FOUR. Question No. ONE will be objective and compulsory, covering the entire syllabus.

Time : 3 Hours **Full Marks : 100**

This paper aims to give introduce to the students the success of Linguistic and criticism with especial reference to the prescribed books.

Books Prescribed :

1. Moquadma Sher-o-Shairi : Maulana Altaf Hussain Hali
2. Urdu Tanqeed par Ek Nazar : Kalimuddin Ahamad
3. Hindustain Lisaniyat : David Crystal translated by
4. Lisaniyat Kiya Hai : Naseer A. Khan

PAPER- VII
RHETORIC PRASODY AND TRANSLATION

This paper will be in four group (A, B, C & D), The examinees will be have to answer one question from each group carrying 25 marks.

Time : 3 Hours **Full Marks : 100**

A. ILMUL BALAGHAT **:** Definition of rhetorical terms and explanation of verses.

B. PERSIAN **:** Definition of terms and scausicm

C. PERSIAN **:** Translation from Persion to Urdu & Vise-versa

D. HINDI/ENGLISH **:** Translation from Hindi/English to Urdu & Vise-Versa

Books Prescribed :

1. Ilmul Balaghat : Prof. A Marjeed
2. Ilmul Urooz : Prof. A Majeed

PAPER- VIII
LITERARY MAQUALA

This paper will be in two Sections. First will be of the value of 60 marks and based on the Literary Maquala on any one topic, whwrwas the Second Section of 40 marks will be based on Oral Examination.

Section – I

Time : 2 Hours Full Marks : 60

The following topic (Only five topics will be asked)

1. Nazir Akbarabadi Aur Unki Hindustani Shairi
2. Md. Quli Qutub Shah Ki Shairi Mein Hindustani Anasir
3. Aligarh Tahreek
4. Taraqqi Pasand Tahreek
5. Ghalib ki Khutoot Nigari
6. Urdu ki Tanziya wa Mazahiya Shairi
7. Shad Azimabadi
8. Qazi Abdul Wadood
9. Prof. Wahab Ashrafi
10. Kalimuddin Ahmad
11. Bihar Mein Urdu Mohsaire Ki Rewat
12. Tasawwufaur Urdu Shairi.